हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, सोमवार 9 दिसंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

दिव्यांगजन शारीरिक कमजोरी को भूलकर विकास की मुख्य धारा से जुड़ें- श्रीमती संपतिया उइके

मण्डला। अंतर्राष्ट्रीय विश्व दिव्यांग दिवस पर होटल नर्मदा इन में आयोजित कार्यक्रम में म.प्र. शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने सहभागिता की। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। दिव्यांगजन शारीरिक कमजोरी को भूलकर विकास की मुख्य धारा से जुड़ें। दिव्यांगजन हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करते हुए अन्य लोगों के लिए उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के लिए सरकारी नोकरी में आरक्षण की सुविधा देती है। आगामी समय में दिव्यांग सम्मेलन/युवक युवती सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं लेप्रा सोसायटी मण्डला द्वारा दिव्यांगजनों के लिए खेल कूद सामर्थ प्रदर्शन एवं रोजगार मेला का आयोजन भी किया गया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने शिक्षकों से आव्हान किया कि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा देने के लिए एक अभिभावक के रूप में सहभागी बनें। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने विभिन्न खेल, रंगोली तथा चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरूस्कार प्रदान किया। इस दौरान नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग रोहित बड़कुल सहित संबंधित उपस्थित थे। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर 168 दिव्यांगजनों ने सहभागिता करते हुए रस्सी खीच, नीबू दौड़, कुर्सी दोड़, रंगोली इत्यादि गतिविधियों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किये। लेप्रा सोसायटी मण्डला द्वारा आयोजित रोजगार मेले में आये 22 एमएसएमई द्वारा रोजगार के सम्बंध में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा स्टॉल का निरीक्षण किया गया।

महात्मा गांधी स्टेडियम ग्राउंड में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

मण्डला। विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी स्टेडियम ग्राउंड में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने दौड़ प्रतियोगिता को हरी झंडी दिखाई। दिव्यांग बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिता में समर्थ प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर रंगोली, मेहंदी, ड्राइंग, रस्सी कूद, कुर्सी दौड़, 100 मीटर, 50 मीटर की दौड़, जलेबी दौड़, नींबू दौड़ आदि गतिविधियां आयोजित की गई। इस दौरान एपीसी कृष्णा उपाध्याय सहित संबंधित उपस्थित थे।

किसानों को उनका हक़ दिलाकर ही रहेगी कांग्रेस-पट्टा

कांग्रेस का जबाब दो हिसाब दो कार्यक्रम

*** कांग्रेस ने शुरू किया किसान न्याय महाअभियान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

भाजपा सरकार के द्वारा विधानसभा चुनाव 2023 में संकल्प पत्र जारी करते हुए किसानों की धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपए प्रति क्विंटल एवं गेंहू का समर्थन मूल्य 2700 रूपए प्रति क्विंटल दिए जाने का वादा किया गया था। महामहिम राज्यपाल जी द्वारा भी विधानसभा बजट सत्र 2023-24 में अपने अभिभाषण में इस आशय की प्रतिबद्धता जाहिर की गई थी और प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा भी इस घोषणा को पूर्ण करने की बात अनेको बार लगातार कही गई है और कही जा रही है लेकिन खुद को किसानों का हितैषी बताने वाली भाजपा सरकार अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग नहीं है और न ही किसानों को दिए अपने वचन को पूर्ण करने की दिशा में कोई कदम उठा रही है। एक वर्ष से अधिक का समय बीत चुका है जिसमें विगत वर्ष की धान व गेंहू की खरीदी हो चुकी है लेकिन गत वर्ष भी किसानों को घोषित समर्थन मूल्य पर खरीदी नहीं की गई और न ही इस वर्ष इस सम्बन्ध में कोई निर्देश जारी किये गए हैं।

किसानों की धान की खरीदी 3100 रूपए प्रति क्विंटल एवं गेंहू की खरीदी 2700 रूपए प्रति क्विंटल किया जाना भाजपा सरकार की ही घोषणा है और सरकार ही इसे पूर्ण करते हुए दिखाई नहीं दे रही है। यह किसानों के साथ सरकार की वादाखिलाफ़ी है, जिसका हर स्तर पर विरोध हो रहा है। हमारी कांग्रेस पार्टी ने किसानों के अधिकार की इस लड़ाई को सड़क से लेकर सदन तक लड़ने की शुरुआत कर दी है, इस किसान न्याय महाअभियान को लेकर हम विधानसभा बिछिया के प्रत्येक ब्लॉक लेवल पर ज्ञापन सौंपने से इसकी शुरुआत कर रहे हैं। आगामी दिनों में हमारा हर कार्यकर्त्ता प्रत्येक खरीदी केंद्र तक जाकर किसानों से मिलेगा और उनके अधिकार की आवाज बुलंद करेगा। जनवरी माह में हम एक बहुत बड़ा किसान न्याय आंदोलन करेंगे जिसमें हजारों किसानों की मौजूदगी में सरकार की वादाखिलाफ़ी के विरोध में जंगी प्रदर्शन किया जायेगा। किसानों के अधिकार की यह लड़ाई किसानों के अधिकार उन्हें दिलाने तक जारी रहेगी। यह कहना है बिछिया विधानसभा के विधायक नारायण सिंह पट्टा का, जिन्होंने रविवार को बिछिया मुख्यालय में किसानों को धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपए और गेंहू का 2700 रूपए दिलाने को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया द्वारा सौंपे गए ज्ञापन कार्यक्रम में अपने सम्बोधन में कही। इस दौरान अनेक वक्ताओ ने किसानों की मांगो को लेकर अपनी अपनी बात कही।

ये हैं प्रमुख मांगे

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई है कि किसानों की धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपए प्रति क्विंटल और गेंहू का समर्थन मूल्य 2700 रूपए करते हुए, इस वर्ष का भुगतान इसी दर से किया जाये। खरीदी केन्द्रो में किसानों के लिए पेयजल सुविधा सहित अन्य मुलभुत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएँ। धान विक्रय के तीन दिन के भीतर किसानों को भुगतान कराया जाये। खरीदी केन्द्रो में धान की तुलाई सहित अन्य कार्यों के लिए कोई अतिरिक्त राशि न ली जाये और प्रति बोरा तय मानक से अधिक धान न ली जाये और ऐसी शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही की जाये। ज्ञापन के माध्यम से सरकार को चेताया गया है कि यदि किसानों की इन मांगो का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया तो सभी कांग्रेस जन किसानों के साथ मिलकर सड़कों पर धरना आंदोलन प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे।

बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा के साथ जोश सिंह ठाकुर, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी जिला महामंत्री अशोक राजपूत झुन्ना ठाकुर रानू राजपूत नगर परिषद उपाध्यक्ष विकास ग्वले पार्षद पार्षद नारायणी साहु अशोक ज्योतिषी जनपद अध्यक्ष शकुना उईके मेवा धुर्वे नरेश धुर्वे रामनाथ सरौते अमर मांडवे युवा कांग्रेस अध्यक्ष विकास साहु प्रणव लोध चमन यादव अक्षत झारिया प्रकाश ठाकुर भोला दास फकरुद्दीन खान शबीर खान विवेक पवार दादा भाई कमल ठाकुर विश्वकर्मा डमरू राजपूत सुनहर राजपूत रम्मू राजपूत महावीर यादव समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लाभ के लालच में क्या फिर ठगे जायेंगे लोग

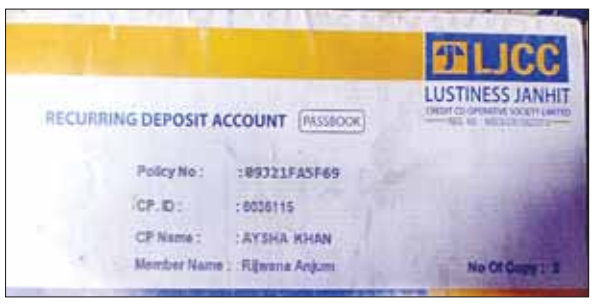

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कल ही एक खबर नारायणगंज विकासखण्ड प्रकाशित हुई थी जिसमें शिवांगी इंडियन निधि लिमिटेड कंपनी में जमा किये गये पैसों को लेकर फर्जीवाडा की शिकायत खाताधारकों द्वारा की गई थी अब एक दूसरा मामला निवास विकासखण्ड का चर्चा में है इसमें भी इसी तरह एक कंपनी पर मेच्योर होने पर खाताधारकों को फिलहाल अपना पैसा मिलने में दिक्कत पेश आ रही है।

एलजेसीसी संस्था जिसे लस्टीनेश जनहित क्रेडिट कॉपोरेटिव सोसायटी लिमिटेड के नाम से बताया जा रहा है और यह भी दावा किया जाता है कि यह सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड है और जिसका रजिस्टर्ड नम्बर उपभोक्ताओं को दी गई पासबुक में दर्ज भी है।

हैरत की बात यह कि इस संस्था का न तो कोई कार्यालय निवास में है, न ही जिला मुख्यालय मण्डला में और न संभाग स्तर पर अधिकारी या कार्यालय है निवास में एक महिला द्वारा इस संस्था के माध्यम से लोगों द्वारा पैसे जमा किये जाते हैं और वो पैसे इंदौर एवं लखनऊ भेजे जाने की बात कही जा रही है सबकुछ ऑनलाईन हो रहा है और यह प्रक्रिया पिछले कुछ वर्षो से चल रही है अब जबकि ब्याज सहित पैसा वापिस मिलने का समय आया तो फिर पॉलिसी किसी की मेच्योर हुई तो किसी की नहीं। इसको लेकर लोगों में डर व्याप्त है निवास में पैसा एकत्रित करने वाली महिला का कहना है कि लखनऊ के रहने वाले चार लोगों के द्वारा यहां पर भी यह संस्था प्रारंभ की गई जिसके अंतर्गत लोगों के खाते खुलवायें गये उस दौरान खाताधारकों से मेरे साथ इन लोगों ने भी संपर्क किया गया था लोगों के पैसे आते जा रहे हैं आगामी दिसम्बर-जनवरी में सभी के पैसे आ जायेंगे हालांकि पिछले एक वर्ष से मैनें नये खाते खोलने बंद कर दिये हैं लेकिन यदि पैसे नहीं आये तो इन खाताधारकों का क्या होगा?

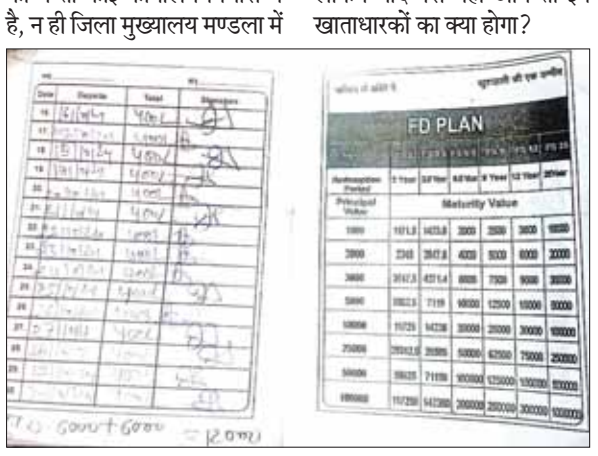

रानी अवंतीबाई स्कूल में वृक्षारोपण से स्कूल परिसर हुआ भव्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

नगर मे स्थित शासकीय कन्या हायर सेकंडरी रानी अवंतीबाई स्कूल ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपने परिसर को और भी सुंदर बनाने के लिए पौधारोपण अभियान चलाया। शाला प्रबंधन ने स्कूल परिसर में हरियाली बढ़ाने और वातावरण को शुद्ध बनाने के उद्देश्य से लगातार वृक्षारोपण कार्यक्रमों का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम छात्रों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी से सफल हुआ। प्रत्येक वर्ष स्कूल में नए-नए पौधे लगाए जा रहे हैं, जिससे न केवल परिसर की सुंदरता में वृद्धि हुई है, बल्कि पर्यावरण को भी लाभ मिल रहा है। शाला प्रबंधन का मानना है कि ये पौधे न केवल प्राकृतिक सौंदर्य में वृद्धि करेंगे, बल्कि छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएंगे।

पौधारोपण अभियान के तहत स्कूल में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए हैं। इन पौधों से न केवल प्रदूषण में कमी आएगी, बल्कि इनसे मिलने वाली छांव और ताजगी विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी साबित होगी। साथ ही, यह कार्यक्रम बच्चों को पर्यावरण के महत्व और उसकी रक्षा के बारे में भी सिखाता है।

इस अभियान में छात्रों को न केवल पौधे लगाने की प्रक्रिया सिखाई गई, बल्कि उन्हें वृक्षों के महत्व के बारे में भी बताया गया। प्राचार्य ने इस अवसर पर छात्रों से अपील की कि वे अपनी जिम्मेदारी समझें और पौधों की देखभाल में सक्रिय रूप से भाग लें।

कुल मिलाकर, रानी अवंतीबाई स्कूल के इस पौधारोपण अभियान ने स्कूल परिसर को सुंदर और हरा-भरा बना दिया है और पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता उत्पन्न की है।

हनुमान मंदिर जंतीपुर में निर्माण समिति का पुनर्गठन

भुआबिछिया। विगत दिनों जंतीपुर हनुमान मंदिर प्रागंण में मंदिर समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें मंदिर निर्माण के कार्य की प्रगति अवरुद्ध होने के कारण सर्वसम्मति से पुरानी समिति को भंग कर नई समिति बनाने का गठन किया गया। जिससे मंदिर निर्माण का कार्य शीघ्रता से किया जा सके। इस अवसर पर नए पदाधिकारियों को कार्यभार भी सौंपा गया जिसमें अध्यक्ष योगेश यादव, उपाध्यक्ष प्रकाश साहू, श्रीमति प्रतिभा मिश्रा, सचिव, संतोष विश्वकर्मा सहसचिव आशीष साहू, कोषाध्यक्छ देवाशीष अग्रवाल, सह कोषाध्यक्ष नरेश राजपूत, तकनीकी सलाहकार हिमांशु खरे, सहित सक्रिय सदस्य में शैलेन्द्र पंड़ोले, राहुल जोगी, सुमिति साहू, सुधीर यादव, प्रकाश यादव, संरक्षक विनोद चौबे, आजाद चौबे, उपेन्द्र चौबे, गोपाल जोगी, केवल यादव, नानू पंड़ोले, दानसिंह राजपूत, माधो प्रसाद यादव, इस अवसर पर धीरेन्द्र मिश्रा सहित अनेकजन उपस्थित थे।

एक दिवसीय अल्पविराम कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

दिनाक 08/12/2024 को राज्य आनंद संस्थान म.प्र. शासन भोपाल द्वारा जनपद पंचायत नारायणंज के सभा कक्ष में एक दिवसीय अल्पविराम कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विकासखण्ड के समस्त विभागों से लगभग 60 अधिकारी / कर्मचारी उपरोक्त कार्यशाला में उपस्थित रहें। कार्यशाला में राज्य आनंद संस्थान से मास्टर टेनर श्रीमती रश्मि पाठक, श्रीदा पाठक एवं आनंद विभाग से जिला समन्वयक श्री विष्णु सिंगौर जी के द्वारा कार्यशाला में सत्रों का संचालन किया गया। कार्यक्रम में सर्व प्रथम माँ सरस्वती की पूजन अर्चन से सत्र का शुभारंभ किया गया इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत-वंदन किया गया। सत्र का आरंभ जिला समन्वयक विष्णु सिंगौर द्वारा राज्य आनंद संस्थान का परिचय के साथ गठन एवं उददेश्य पर चर्चा की गई। श्रीमती रश्मि पाठक द्वारा आयोजित सत्र के दौरान सकारात्मक के साथ कार्यशैली में सुधार एवं प्रशन्न चित्त रहकर किस प्रकार कार्य किया जा सकता हैं पर सत्र का संचालन किया गया। पुनः श्रीदा पाठक जी द्वारा सत्र संचालन के दौरान आत्मशूद्धि, अल्पविराम, चिंतन एवं कार्य में गुणवत्ता पर चर्चा की गई। जनपद पंचायत नारायणगंज के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गौरीशंकर डेहरिया द्वारा दैनिक कार्य के दौरान प्रशन्न चित्त मन से कार्य करने हेतु सुझाव दिये गये एवं अपने दैनिक कार्यों में चर्चा करते हुये सभी प्रतिभागियों को कार्य के प्रति ईमानदारी एवं लगनशीलता तथा सकारात्मकता के साथ कार्यालयीन तथा दैनिक कार्यों को करने हेतु प्रेरित किया गया एवं सदैव दूसरों की मदद करते रहने की प्रेरणा दी गई। आनंदम संस्थान के स्थापना के लिये भी चर्चा की गई और ब्लॉक स्तर पर इसकी स्थापना हेतु सभी से सुझाव मांगे गये एवं अगामी जनवरी माह में संपूर्ण ब्लॉक में आनंद उत्सव के आयोजन पर चर्चा करते हुये कलस्टर वाईज बृहद रूप से आनंद उत्सव मनाने हेतु कार्ययोजना पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन आंकाक्षी विकासखण्ड फेलो श्री हेमंत चन्द्रोल द्वारा किया गया, उपरोक्त कार्यक्रम में जनपद पंचायत नारायणगंज से सभी अधिकारी / कर्मचारी उपस्थित रहें।

मांग | **निवास विधायक चैनसिंह बरकड़े ने राज्य प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग को सौंपा प्रस्ताव।**

निवास को जिला और मंडला को संभाग बनाने की मांग

*** वर्षों पुरानी मांग एक बार पुनः उठी।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/निवास

निवास विधायक चैनसिंह बरकड़े ने भोपाल मे राज्य प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने निवास को जिला बनाए जाने के प्रस्ताव की फाइल सौंपी और इसके महत्व पर विस्तृत चर्चा की। विधायक बरकड़े ने निवास को जिला घोषित करने के साथ-साथ मंडला को संभाग का दर्जा देने की भी मांग उठाई। उन्होंने प्रस्तावित संभाग में बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, और निवास जिलों को शामिल करने का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि यह कदम क्षेत्र के प्रशासनिक और विकास कार्यों को गति देने में सहायक होगा। इसके अलावा, विधायक ने बवलिया, मनेरी, और विक्रमपुर को अलग विकास खंड के रूप में स्थापित करने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों को विकास खंड का दर्जा मिलने से स्थानीय स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन और प्रशासनिक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इस मुलाकात के दौरान निवास और मंडला के नागरिकों की भावनाओं और मांगों को प्रमुखता से रखा गया। आयोग के अध्यक्ष ने प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया। मुलाकात के दौरान समाजसेवी प्रदीप जैन उपस्थित रहे। इस पहल से निवास क्षेत्र को जिला और मंडला को संभाग बनाए जाने की उम्मीदें बढ़ गई हैं, जिससे इस क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिल सकती है।

खबर संक्षेप

शुद्व के लिये युद्व पर सवाल खड़े कर रही है दूध में मिलावट की अनदेखी

गाडरवारा। जहां प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा बीते हुये कुछ वर्ष पहले यानि की प्रदेश के मुखिया द्वारा मिलावट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का आदेश दिया गया थें। मगर देखा जा रहा है कि जिस तरह दूध में मिलावट का धंधा चल रहा है और उसकी अधिकारियों द्वार की जा रही अनदेखी निश्चित तौर से शुद्व के लिये योद्व पर सबाल खडे करने से नही चूक रही है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय नगर में देखा जावे तो बाहर से आने वाले दूध विक्रय करने वालो की जांच न होने से मिलावटी दूध की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है? दूध में पानी की मात्रा का प्रतिशत चल रहे शादियों के सीजन से मांग और खपत में अंतर आने के कारण दिनों दिन बढ़ती जा रही है? वही दूध में पौष्टिक पदार्थ की मात्रा मिलावट के कारण घटती जा रही है। इस प्रकार से दूध मे मिलावट होने से आम जनों को परेशानी एवं चिंता बनती चली जा रही है। क्योंकि बच्चो को मिलावटी दूध देने से बीमारी का खतरा बन रहा है? किंतु संबंधित विभाग अधिकारियों को शयद इस बात की कोई चिंता नही रहती है, जिसके कारण दूध विक्रेता शासन प्रशासन के नियम कानून कायदो को ताक में रख अपनी मन मर्जी के अनुसार मिलावटी दूध का कारोबार धडल्ले से करते हुये देखे जा रहे है तथा नगर में लोगों को दूध के नाम सफेद पानी खरीदना पड़ रहा है? वैसे तो नगर में गिनती की डेरी है, किंतु बाहर से आने वाला दूध गली मोहल्लो में साइकिलो से बेचने वालों की एक लंबी कतार रहती है। जिनका दूध बेचने को कोई भाव नही रहता, इसी तरह सैकड़ो लीटर दूध गांवो से आता है, जिनकी कभी भी किसी तरह जांच नही होती है। इसी के चलते मिलावटी दूध विक्रेताओं के हौसले बुलंद होते चले जा रहे है। वही आम नागरिको के स्वास्थ्य के साथ दूध बेचने वाले एवं इनके निरीक्षण करने वालो द्वारा की जा रही अनदेखी के चलते खिलबाड़ होने से नही चूक रही है। इसी के चलते आमजन द्वार संबंधित विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि दूध के नाम पर नगर में जो खुले आम पानी अन्य प्रकार की मिलावट करते हुये बेचा जा रहा है उसकी जांच करते हुये मिलावटर खोरों के खिलाफ कार्यवाही की जावे।

शराब की गिरफ्त में समा रही युवा पीढ़ी से बढ़ रहा अपराधों का ग्राफ...?

गाडरवारा। शहर में विदेशी, देशी शराब का जिस प्रकार से शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से कारोबार चलते हुये देखा जा रहा है उसका परिणाम है कि इसकी गिरफ्त में लगातार युवा पीढ़ी आने के साथ साथ अपनी जिन्दगी को बर्बाद करने से नही चूक रही है बल्कि सही मायने में देखा जावे तो शराब पीने की चपेट में आए युवाओं, किशोरों की तादाद बढ़ती चली जा रही है? यह बात अलग है कि आये दिन पुलिस प्रशासन के साथ साथ समाजसेवी संस्थाओं द्वारा नशा मुक्ति संबंधी शिविरों का आयोजन करते हुए नशा से दूर रहने के लिए संदेश दिया जाता है। मगर वह मात्र औपचारिकता पूर्ण ही दिखाई दे रहा है।

जरूरतमंदों को नहीं मिल पा रहा है सरकार की आवास योजना का समय लाभ

अधिकारियों की मिलीभगत से अपात्र होते हुये योजना पर अतिक्रमण कर हवेली खड़ी करने में नही छोड़ी जा रही है कोई कसर.., जनहितैषी योजना को लाभ लेने वालों की निष्ठा के साथ जांच हुई तो बेनकाब होने से नही चूक पायेंगे अनेक अधिकारियों से लेकर कर्मचारी....?

चीचली। केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा जिस प्रकार से उन गरीबों के हितों को ध्यान में रखते हुये प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरूआत की गई थी जिसके पीछे देश के प्रधानमंत्री की सोच थी कि जो गरीब वर्षो से अपने मासूम बच्चों के साथ कच्चें मकानों में अपनी जिन्दगी काटने के लिये मजबूर होने के साथ अपने परिवारजनों की जिन्दगी को खतरे में डालते हुये जीवन व्यतीत कर रहे है, उन गरीबों के जीवन को सुरक्षित करने की सोच के चलते सरकार द्वारा प्रधान मंत्री आवास योजना की शुरूआत करते हुये गरीब आवास हीनों को पक्के आवास बनाकर देने का सपना सोचकर ही इस योजना की शुरूआत की गई थी। मगर इस योजना के नाम पर जिस तरह अधिकारियों की मिली भगत से अपात्र होते हुये भी साधन संपन्न लोग लाभ लेते हुये अपने पक्के मकानों को हबेलियों का रूप देने में जुटे हुये तो दूसरी ओर सही गरीबों की जिन्दगी आज भी कच्चे खस्ता हाल मकानों में कटते हुये दिखाई देने से नही चूक रहे है..? क्योंकि इस तरह जहां गरीब इस योजना का लाभ लेने से बंचित होने के साथ कच्ची मकानों में निवास करने के लिये मजबूर होते हुये देखे जा रहे है तो दूसरी ओर साधन संपन्नों लोगों के जरूर इस योजना का लाभ लेकर पक्के आवास बनने से नही चूक पा रहे है और प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि से बनाये गये मकान को उद्घाटन करने पर लाखों रूपया खर्च करते हुये शाही भोज करते हुये देखे जा रहा है। इस तरह गरीबों के लिये शुरू की गई इस जन हितैषी योजना को जिम्मेदार अधिकारियों की कागजी लीला खेल शहर से लेकर गांवों में इस तरह देखने मिल रहा है कि जो पात्र हितग्राही है उनके आवास बनने का नम्बर तो आ ही नही रहा है और जिनके पहले से ही पक्के मकान बनने हुये है उनका जरूर इस योजना में नाम शामिल होकर धड़ा धड़ किस्ते जारी होते हुये चली जा रही है? इस बात से इंकार भी नही किया जा सकता है कि इस योजना का लाभ जिन सही पात्र गरीबों को मिला है उन गरीबों के चेहरों पर खुशी दिखाई दे रही है। लक्ष्मी जी की पूजन के चलते अधिकारियों द्वारा किस तरह पात्रों का अपात्र तथा अपात्रों को पात्र बनाने का खेल चला है यह सच्चाई शायद ही किसी से छिपी नही होगी और इस तरह शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों की निष्ठा से जांच होती है तो चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी? अनेक जगहों पर देखा जा रहा है कि उन गरीबों को पक्के आवास उपलब्ध हो रहे है जो अपने जीवन में कभी पक्के मकानों में रहने की कल्पना तक नही कर पा रहे थें। मगर कुछ जगहों पर इस योजना के संचालन में बरती जा रही लापरवाही कही जावे या फिर लक्ष्मी जी के आर्शीवाद का परिणाम जिसके चलते इसके वास्तविक हकदार इस योजना से या तो बंचित देखे जा रहे है या फिर उनका सूचियों में समय पर नाम शामिल नही किये जाने के कारण अपनी व अपने परिजनों की जिन्दगी को संकट में डालते हुये पुराने कच्चे आवासों में रहने के लिये मजबूर होते हुये दिखाई दे रहे है? वही दूसरी ओर गरीबों के लिये रामवाण साबित होने वाली इस योजना को ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक जगहों अधिकारियों व वहां के जनप्रतिनिधियों द्वारा जिस प्रकार से अपनी कमाई का जरियाँ बनाते हुये लक्ष्य से भटका दिया गया है, जिसके चलते स्थिति इस प्रकार से दिखाई देने लगी है कि पात्र हितग्राही तो इस योजना का लाभ लेने के लिये भटकते हुये देखे जा रहे है। मगर वह लोग जिनके पास पहले से ही पक्के आवास व बिल्डिग बने हुये होने की स्थिति में अपात्र होने के बाद भी इस योजना की सूचि में अपनी जुगाडू व्यवस्था के माध्यम से किसी भी प्रकार नाम शामिल करते हुये लाभ लेकर अपने पक्के आवासों को हबेली का रूप देते हुये दिखाई पड़ रहे है? जबकि नियम के अनुसार तो यह बताया जाता है कि प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उन्हें हितग्राहियों को मिलना है जिनके पास वर्षो पुराने कच्चे आवास है या फिर कच्चा मकान वाले के पास खाली प्लाट पड़े हुये है उन्हे पक्का करने के लिये केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा राशि उपलब्ध कराई जा रही है, जिन लोगों के पास पहले से ही पक्के आवास है उन्हें इस योजना का पात्र तिहग्राही नही माना जा सकता है? मगर अधिकारियों की मिलीभगत के चलते सच्चाई इस प्रकार से देखी जा रही है कि अनेक लोग अनेक पक्की बिल्डिंग धारी लोग अपने परिजनों का अलग अलग कार्ड बनबाते हुये परिवार को विभाजित कर आवास योजना की सूची में नाम शामिल करते हुये गरीबों के लिये चलाई जा रही इस योजना पर अतिक्रमण करने से नही चूक पा रहे है। इस स्थिति में चलते यदि देखा जावे तो आज क्षेत्र में अनेक पात्र हितग्राही इस प्रकार से देखने मिल सकते है जो अपने टूटे फूटे व खस्ताहाल आवासों में रहते हुये जिन्दगी काट रहे है और जो साधन संपन्न है उनके खातों में आवास योजना की राशि पहुंचाई जा रही है, जिसके चलते उनकी पूर्व से बनी हुई बिल्डिगे शासन की राशि से रंगीन होते हुये दिखाई देने के साथ अपने नये आवास का पूजन करते हुये लाखों रूपया की राशि को स्वरूचि भोज आयोजित करते हुये देखे जा रहे है? यह सच्चाई सिर्फ नगर में ही नही बल्कि आसपास के अन्य नगर पंचायतों सहित ग्रामीण क्षेत्रों की ग्राम पंचायतों में भी आसानी से देखने मिल रही है जहां पर सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना के अनेक पात्र हितग्राही इस योजना का लाभ लेने के लिये भटकते हुये देखे जा सकते और साधन संपन्न प्रभावशाली लोग इस योजना का लाभ लेते हुये अपनी बहुमंजिला बिल्डिग तान रहे है? वही दूसरी ओर अनेक जगहों का हाल तो इस प्रकार से भी सुनने मिल रहा है कि जिन पात्र हितग्राहियों को किसी भी प्रकार से नगर पालिकाओं सहित पंचायतों द्वारा सूची में शामिल करते हुये योजना का लाभ देने की शुरूआत तो कर दी गई है, मगर उन्हें एक किस्त के बाद दूसरी किस्त के नाम पर कई महिनों से भटकाया जा रहा है, इस स्थिति में अनेक गरीबों को आवास अधूरे पड़े है जिसके कारण उन्हें तम्बू के भरोसे या फिर किराये के मकान लेकर इस समय पड़ रही कड़कती ठंड में रहते हुये घर बैठे मकानों का किराया चुकाते हुये कर्जदार बनने की मजबूरी बन गई है।

जब समय पर किसानों को खाद नहीं मिलेगी तो फिर कैसे कर पायेगा अपने खेतों में बोनी, अधिकारियों के वादे हो रहे झूठे, प्रतिदिन लम्बी लाईनों में लगने के बाद भी खाली हाथ लौटने की बन रही मजबूरी

सालीचौका

जहां एक ओर प्रदेश के मुख्यमंत्री से लेकर जिले व स्थानीय स्तर के अधिकारियों द्वारा क्षेत्र के किसानों को जरूरत के हिसाब से खाद प्रदाय करने का भरोसा तो दिलाया जा रहा है। मगर जब किसान वेयर हाऊसों पर दिन दिन भर लम्बी लाईनों में लगने के बाद शाम को खाली हाथ लौटने के लिये मजबूर होता है तो अधिकारियों के सभी बादे झूठे साबित होने से नह चूक पाते है। क्योंकि अपने खेतों में बोनी करने के लिये किसानों के लिये नबंवर व दिसम्बर को माह प्रमुख माना जाता है। मगर इस वर्ष देर तक चले बारिश के क्रम के कारण जहां किसानों की बोनी पिछड़ने से नही चूक पाई है तो अब रही सही कसर यूरिया व डीएपी खाद की कमी निकालने से नही चूक रही है। क्योंकि जहां नवम्बर माह के निकलने के बाद दिसम्बर माह का एक हप्ता निकलने को हो चुका है और अभी क्षेत्र के अनेक किसानों के खेतों में बोनी नही हो पाई है और खाद वितरण केन्द्रो के चक्कर लगाने के बाद भी क्षेत्र के किसानों को जरूरत के हिसाब से खाद नही मिल पाने के कारण उनकी बोनी पिछड़ने से नही चूक पा रही है। क्योंकि किसान अपने खेतों में बोनी के लिये नवम्बर माह प्रमुख इसलिय मानते है क्योंकि बोनी के बाद दिसम्बर माह में पड़ने वाली ठंड से खेतों में बोई गई फसल अच्छे से विकसीत हो जाती है। मगर अपने खेतों में बोनी करने के लिये खाद का आभाव किसानों के लिये पेरशानी का कारण बनने से नही चूक पा रहा है। कहने के लिये तो अधिकारियों द्वारा कहा जाता है कि हर किसान को उसकी जरूरत के हिसाब से खाद प्रदान की जावेगी मगर जब वितरण केन्द्रो पर देखा जाता है तो बेचारा गरीब किसान जहां दिन दिन भर लाईन में लगने के बाद उसे दो बोरी खाद मिलना मुश्किल हो जाता है तो दूसरी ओर प्रभावशाली लोगों द्वारा बेयर हाऊस संचालको या खाद का वितरण होने वाली दुकानदारों से अपनी पहुंच के बल पर मन के मुताबिक खाद प्राप्त करने से नही चूक रहे है? इतना ही नही क्षेत्र कुछ प्रभावशाली दुकानदारों द्वारा तो किसानों को खाद का वितरण औपचारिता पूरी करने के लिये चंद मिनिटों के लिये नाम मात्र के किसानों को खाद का वितरण किया जाता है और खाद खत्म होने की बात कहते हुये वितरण बंद कर करते हुये उसी खाद को ओने पोने दामों में विक्रय करने से नही चूक रहे है? इस तरह किसानों की मजबूरी का फायदा उठाने वाले इन दुकानदारों के खिलाफ कार्यवाही करने में अधिकारी भी परहेज करने से इसलिये नही चूकते है क्योंकि इन दुकानदारों की पकड़ मजबूत होने के चलते अधिकारी भी कार्यवाही करने में अपने आपको दहशत में महसूस करने से नही चूक पाते है? इस सच्चाई के बीच किसान खाद प्राप्त करने के लिये मारा मारा फिरते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहा है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जहां प्रदेश सरकार के छोटे से लेकर बडे नेता द्वारा आये दिन अपनी सरकार को किसानों की सरकार बताने से नही चूकते है। मगर दूसरी ओर जिस तरह किसान खेती में उपयोग होने वाली जरूरी सामग्री को लेकर मारा मारा फिर रहा है तो दूसरी ओर प्रभावशाली लोगों द्वारा किसानों की मजबूरी का फायदा उठाते हुये उनकी जेबों में डाका डाला जा रहा है उससे क्या किसान खेती को लाभ का धंधा बनाने में सफल हो पायेगा? वही दूसरी ओर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार में बैठे हुये हर जिम्मेदार नेता से लेकर मंत्री को इस बात का पता रहता है कि किसी सीजन में अन्नदाता किसान को अपनी खेती के लिये किस चीज की जरूरत होती है और मगर इसके बाद भी किसानों को समय में जरूरी सामग्री उपलब्ध न हो पाना सरकार की मंशा पर सबाल खड़े करने से नही चूक पा रही है?

आचार्य प्रवर संत शिरोमणि तारण तरण पर निकाली गई शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। श्री दिगम्बर जैन समाज के आचार्य प्रवर संत शिरोमणि श्री तारण तरण मण्डलाचार्य महाराज की जयंती बीते हुये दिवस नगर के जैन समाज द्वारा यहाँ हर्षोल्लास के साथ मनाते हुये शोभायात्रा निकाली गई। बताया जाता है कि इस अवसर पर श्री तारण तरण दिगम्बर जैन चैत्यालय जी में सुबह पूर्ण भक्ति भाव के साथ मंदिर विधि का आयोजन किया गया। इस मौके पर पुरूष एवं महिला वर्ग ने सामूहिक रूप से आचार्य प्रवर संत तारण तरण द्वारा रचित चौदह ग्रन्थों में से श्री मालरोहण ग्रन्थ जी, श्री पंडित पूजा ग्रन्थ जी तथा श्री कमल बत्तीसी ग्रन्थ जी का पाठ किया गया। वही संत शिरोमणि आचार्य प्रवर तारण तरण जी की जयंती को उनका जन्मोत्सव बनाने के लिये श्री तारण तरण चैत्यालय जी में आकर्षक ढंग से सजाये गये झूला में आचार्य प्रवर संत शिरोमणि तारण तरण महाराज द्वारा रचित ग्रन्थों में से आध्यत्म वाणी ग्रन्थ को विराजा गया और सभी ने बारी बारी से झूले को झुलाया। इस तरह श्री तारण तरण जयंती के इस अवसर पर श्री तारण तरण जैन चैत्यालय जी में चांदी से बनी पालकी जी को सजाया गया और उसमें संत शिरोमणि तारण तरण महाराज द्वारा रचित आध्यत्म वाणी ग्रन्थ को विराज कर भव्य शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई। जो नगर के हृदय स्थल झंडा चौक, बड़ा सराफा, पुरानी गल्ला मंडी, सब्जी बाजार, शिवालय चौक, शक्ति चौक, महावीर भवन, चावड़ी मार्ग, चौकी होते हुये श्री तारण तरण दिगम्बर जैन चैत्यालय जी पहुंची जहां पालकी जी में विराजित आध्यात्म वाणी ग्रन्थ की आरती की गई तथा आध्यात्म वाणी ग्रन्थ को पुनः वेदी पर आस्ताप किया गया। इस दौरान जैन समाज के पुरूषों के आलवा भारी मात्रा में महिलाये व बच्चें भी शामिल रहे।

तीन दिवसीय ओशो ध्यान शिविर के माध्यम से मनाया जावेगा जन्म महोत्सव

गाडरवारा। ओशो आश्रम के संचालक स्वामी राजीव जैन तथा ओशो लीला आश्रम के मीडिया प्रभारी स्वामी राजेश नीरस द्वारा जानकारी देते हुये बताया है कि ओशो की क्रीड़ा स्थली एवं ओशो लीला आश्रम में 11 दिसंबर को सारी दुनिया में गाडरवारा नगर का नाम रोशन करने के साथ साथ अपनी अलग पहचान बनाने वाले ओशो के जन्म महोत्सव के अवसर पर तीन दिवसीय ध्यान शिविर स्वामी ध्यान आकाश एवं मा प्रेम गंगा के सानिध्य में संपन्न होगा। उक्त शिविर 9 दिसंबर की शाम 6:30 बजे व्हाइट रोब सत्संग से प्रारंभ होगा। इस तरह तीन दिवसीय ध्यान शिविर के दौरान ओशो की विभिन्न ध्यान विधियो के मध्य प्रातः काल 6 से 7:00 बजे तक सक्रिय ध्यान, नाद ब्रह्म, विपश्यना दिन भर की ध्यान गतिविधियों के चलते संध्या 4:00 से 5:00 तक कुंडलिनी ध्यान नृत्य आनंद 6:30 से रात्रि 8:00 बजे तक व्हाइट रोब ब्रदरहुड सत्संग ओशो प्रवचन माला श्रवण नृत्य आनंद आदि का रसपान ओशो के सन्यासियों द्वारा लिया जाएगा। जिसमें स्थानीय ओशो सन्यासियों के अलावा बाहर के ओशो सन्यासी शामिल रहेंगे। बताया जाता है कि 11 दिसंबर को ओशो जन्म महोत्सव अवसर पर ध्यान का आनंद तो उठाएंगे साथ ही केक काटकर ओशो सन्यासी परिवार उनका जन्म महोत्सव धूमधाम से मनाएंगे।

पंचायतों के विकास कार्यों के नाम शासन को लग रहा चूना, अधिकारियों को मिल रहा प्रभावशाली वरिष्ठों का संरक्षण?

सांईखेड़ा

जिस प्रकार से सरकार द्वारा गांवों की सूरत बदलने के लिए पंचायती राज व्यवस्था लागू करके इसकी सफलता के लगातार प्रयास तो किये जा रहे है, मगर पंचायतों का विकास सिर्फ कागजों तक ही सीमित होते हुए दिखाई देने से नही चूक पा रहा है। क्योंकि बीते हुयें पंचायतों के कार्यकाल से लेकर अब नये पंचायतों के डेढ़ साल की कार्यकाल की सच्चाई पर देखा जावे तो योजनाये मात्र कागजों पर सीमित देखने मिल रही है? जब ग्रामीण अंचलों की की ओर रूख किया जाता हो तो पंचायती राज के विकास कार्यो को पोल अपने आप की खुलते हुए दिखाई देने लगती है? क्योंकि पंचातयों में हुये विकास कार्य उसी सरपंच के कार्यकाल को पूरा नही हो पाने के पहले ही अपने गुणवत्ता की सच्चाई बताते हुए टूटते हुये दिखाई देने से नही चूकते है? यदि पंचायतों में शासन द्वारा विकास के नाम पर खर्च की जाने वाली राशि की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचायत जहां धन राशि के आभाव से जूझ रही है तो अनेक पंचायत इस प्रकार की भी देखी जा रहा है जिनमें में प्रभावशाली वरिष्ठ अधिकारियों की कृपा दृष्टि होने के चलते उन पंचायतों को अनाप शनाप राशि आवंटित हो जाती है और पंचायतों के प्रतिनिधियों द्वारा उस राशि से जिस प्रकार का विकास किया जाता है उस विकास कार्य की उम्र सिर्फ पत्थरों में नाम लिखे जाने तक ही बनी हुई दिखाई देते हुए देखी जा रही है? इतना रही नही जिन पंचायतों को मनमानी धनराशि प्राप्त हो जाती है है उनके अधिकांश पंचायत जनप्रतिनिधियों ने ग्राम के समग्र विकास में रूचि न लेते हुए केवल अपने परिजनों, नजदीकी नाते रिश्तेदारों को उपकृत करने का ही काम किया जिसके चलते पंचायत का विकास कम और पंचायत प्रतिनिधियों का विकास होते हुए ज्यादा दिखाई दे रहा है,

स्वरूचि भोज अब गांवों में भी बना फैशन, लाखों के अन्न की हो रही बरबादी ?

गाडरवारा। कुछ साल पहले तक गांव देहातों मे जिसे गिद्धभोज की संज्ञा देते हुये सुना जाता था वह बफर सिस्टम अब गांवों में भी एक रूप से रिवाज बन चुका है? जो लोग आज हमारे हिन्दू धर्म की परम्परा के अनुसार पंगत से यानि प्रतिभोज कराते है उन्हें लोग हीन भावना से देखने लगे है? यहां तक की गांव कस्बों मे भी स्वरूचि भोजन ने पंगत का स्थान ले लिया है, कहते है कि नकल मे भी अकल की जरूरत होती है, जिसकी हमारे मध्यमवर्गीय समाज मे निहायत कमी नजर आती है? नतीजा यह है कि जिस देश मे करोड़ों लोग दाने- दाने को मोहताज है, उसी देश मे आज के समय में शादियों और इस तरह के अन्य समारोहो मे आयोजित होने वाले बफर यानि स्वरूचिभोज मे लोग बेरहमी से तमाम खाद्य पदार्थ प्लेटों मे भरकर और आधा अधूरा खाकर हजारों रूपये के खाद्य पदार्थ यानि की अन्न देवता की बरबादी कर रहे है। जबकि सही मायने में देखा जावे तो उस भोजन अन्न के लिए आज भी कई परिवार महंगाई के दौर में तरस रहे है? आमतौर पर कुछ समय पहले तक हमारे देश में लोग पंगत मे बैठकर खाने को लोग सम्मान की दृष्टि से देखते थें, मगर अब लोगों ने अपनी फैसन के चलते उसे भूलकर बफर में खड़े होकर खाने को अपना सम्मान समझने लगे है? चाहे धनाढ्य वर्ग हो या मध्यमवर्गीय परिवार इस भोज को उसने अपनाया है और लोगों के सामनें अपनी हैसियत दिखाने के लिए वह तरह तरह के व्यंजन बफर मे रखता है और लोगों के जीभ मे व्यंजन देखकर पानी भर आता है और लोग असत्तपन की हद तक जाकर अपनी प्लेटों मे खाना तो भरपूर रख लेते है पर खा नही पाते और उसे थोड़ी देर बाद पास मे पड़े डिब्बे मे छोड़ देते है और बाद मे बेटरों द्वारा इस महत्वपूर्ण भोज्य पदार्थ को ले जाकर कचरे के ढेर जैसे लगा दिया जाता है? कुछ गरीब तबके के लोग इसी ढेर से खाद्य सामग्री बीनकर अपना व अपने बच्चों का पेट भरते है और बाकी खाद्य पदार्थ फेंक दिया जाता है? पहले यह होता था कि पंगत मे लोगों को बैठाकर पूछ पूछकर खाना परोसा जाता था, लोगों को इसमे आत्मानुभूति होती थी, पेट भी भरता था और खाने की बरबादी भी नही होती थी और पगंत में पतल में खाने में मजा भी आता था, परन्तु अब इसके उलट स्वरूचिभोज यानि बफर एक फैशन बन गया है और उसमे खाने की बरबादी भी शामिल हो गई है। लोग प्लेट मे लेकर छोड़ देने की आदत को रिवाज सा समझने लगे है। जिस तरह भोजन की बरबादी होती है यदि वही भोजन किसी गरीब बस्ती मे बांटा जाये तो कई भूखे परिवारों का पेट भरा जा सकता है।

सड़क पर जब इनका राज स्थापित रहेगा तो वाहन चालक क्या आसमान में दौड़ायेंगे अपने वाहन...

सांईखेड़ा। जहां एक ओर नगर की यातायात व्यवस्था पूर्णरूप से भगवान भरोसे चलते हुए देखी जा रही है, वही दूसरी ओर आवार जानवरों के शहर भर में विचरण करने से भी यातायात काफी हद तक प्रभावित होते हुए देखी जा रही है। इस सच्चाई को स्थानीय अखबारो द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी कोई पहल न होना निश्चित ही चिंताजनक सच्चाई सामने आ रही है? जबकि गौर किया जावे तो नगर के लोगों द्वारा लम्बे अरसे से हस प्रकार आवारा घुमने वाले पशुओं पर अंकुश लगाने के लिये गुहार लगायी जाती रही है मगर इस ओर नपा प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने का परिणाम हे कि आवारा जानवर सड़को पर मस्ती के मूढ में आते हुये आम लोगों की जिन्दगी के लिये खतरा बनने से नही चूक रहे है। जबकि लोगों की मांग है कि इन आवारा जानवरों को पकड़ने की व्यवस्था कर उत्पाती पशुओं को कांजी हौस में बन्द कर पशु पालकों को सबक सिखाये, मगर इसके बाद भी नपा प्रशासन द्वारा नगर में स्वच्छंद घूमने वाले जानवरों को नियंत्रण मे रखने के संबंध में कोई पहन न करना चिंता जनक सच्चाई को उजागर करते हुये जान पड़ने से नही चूक पा रहा है। जिसके चलते वर्तमान में देखा जावे तो नगर के स्टैट स्तर के हाइवे मेन बाजार सहित जनपद कार्यालय व बच्चों के स्कूलों के आसपास दिन रात आवार जानवर आतंक मचाते नजर आ ही रहे है। इसके अलावा रात के समय में नगर की शालाओं के परिसरों, थाना प्रांगण, शासकीय कार्यालयों के घेरों में भी घरों से बेदखल जानवरों का जमावड़ा दिखायी पड़ने से नही चूक पा रहा है। नगर की मुख्य सड़क से लेकर कालोनियों की सड़को पर घूमने वाले इन पशुओं में आपसी लड़ाई का नजारा तो इस प्रकार से देखने मिलता है कि वह घंटो तक नगर की सड़को पर जाम की स्थिति निर्मित करने से नही चूकते है, जिसके चलते नगर की सड़को से निकलने वाले वाहन चालक असुरक्षित हो जाते है। क्योंकि इस प्रकार से मुख्य मार्गो पर मटर गस्ती के रूप में भ्रमण करने वाले पशुओं के कारण आये दिन स्कूली छात्र छात्राओं सहितत आम लोगों को घायल होते हुए देखा जाता है, इसी के चलते नपा प्रशासन से अपेक्षा व्यक्त की जा रही है कि वह अवारा जानवरों को चिन्हित कराये तथा उन्हे उन बेरहम पशु पालकों के हवाले करे जो दूध देने वाली गाय के गले मे तो घंटी बॉध उसकी पूजा करते है पर जैसे ही उसने दूध देना बन्द किया निर्मम ढंग से उसे आवारा जानवरों की जमात मे शामिल कर देते है।

ट्रैक्टरों के दीवाने किसानों को शासन की बैलगाड़ी योजना हुई बेअसर साबित

सांईखेड़ा। *जिस प्रकार से कुछ वर्ष पहले म.प्र. शासन ने बैलगाड़ी योजना की शुरूआत की थी जिसके तहत लघु सीमांत कृषकों को पाँच हजार रूपये सागौन या बबूल की बैलगाड़ी खरीदने के लिए देने की व्यवस्था की गई थी...? लेकिन बताया जाता है कि क्षेत्र के गांवों के किसानों को बैलगाड़ी योजना प्रभावित नहीं कर सकी और किसान बैलगाड़ियाँ खरीदने में अधिक रूचि का प्रदर्शन नहीं कर सका था, हालाकि जानकार सूत्रों के मुताबिक उक्त योजना का पर्याप्त प्रचार प्रसार नहीं किया गया था फिर भी किसानों को जानकारी थी कि उन्हें शासन बैलगाड़ियाँ खरीदने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है जिसके चलते भी शायद किसान इसका लाभ लेने से बंचित रहे होगे? मगर इस संबंध में किसानों से जब बात की जाती है तो उनका कहना है कि यह योजना वास्तव में आदिवासी बहुल इलाकों के लिए ज्यादा लाभकारी है क्योंकि बड़े किसान ट्रैक्टरों के जरिए ही खेती करने में विश्वास रखते हैं, मगर क्षेत्र के अधिकांश गांवों में ट्रैक्टरों की भरमार के कारण न बैल बचे हैं और न ही हल शेष रह गए हैं, वही गांवों में खेतिहर मजदूरों का भी संकट है, सोयाबीन, गन्ने की फसल की कटाई के लिए किसानों को बाहर से मजदूरों के दल बुलाने पड़ते हैं तथा गांव स्तर पर जो सीमित मजदूर थे वे शहर की ओर पलायन करते जा रहे हैं, उनकी नई पीढ़ी की अभिरूचि कृषि कार्यों में कम ही रह गई है इसलिए अब किसान समय की बचत करने सोचने लगा है और उसने खेती के परंपरागत तौर-तरीके त्याग दिये हैं, इसका यह अर्थ नहीं है कि बैलगाड़ियों से उसका मोहभंग हो गया है परंतु वास्तविकता यह है कि समय की नजाकत को देखते हुए तेजी से कृषि कार्य करना मजबूरी हो गई है, इस परिप्रेक्ष्य में ही बैलगाड़ियाँ बढ़ाने के पक्ष में किसान नहीं है।*

ग्रामीण क्षेत्रों के यात्री प्रतिक्षालय शोपीस बनकर रह गए

सिंहपुर छोटा । विगत कुछ वर्ष पूर्व जिस प्रकार से गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में सांसद, विधायक निधि या अन्य मदों से लाखो रूपए खर्च कर क्षेत्र के गांवों में जो यात्री प्रतिक्षालय बनवाये गए थे, उनकी दशा शोचनीय हो गयी है तथा वे सिर्फ शोपीस बनकर रह गए है। जानकार सूत्रो के अनुसार बसो की आने की प्रतीक्षा के दौरान लोग इनका उपयोग न के बराबर करतें है। हरिभूमि से चर्चा करते हुए ग्रामीणजनों ने बताया कि यात्री प्रतीक्षालयों का निर्माण करते वक्त जगह की उपयोगिता का ध्यान नही रखा गया है। इस कारण कोई उनका उपयोग करना पसंद नही करता है। इस संबंध में क्षेत्र की ग्रामों के जागरूक लोगों का कहना है कि अनेक गांव ऐसे भी है जिनकी सीमा से बाहर यात्री प्रतिक्षालयों का पूर्व में निर्माण हुआ है। इन प्रतिक्षालयों में दरबाजे तक नहीं है और साफ सफाई के अभव में ये बस यात्रियो के बैठने लायक नही रह गए है, चिन्ता की बात यह है कि कई यात्री प्रतिक्षालय असामाजिक तत्वो के बैठक खानो में बदल कर उन्हें शराब पीने के लिये सुरक्षित स्थानों के रूप में तब्दील करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है तो कुछ में लोगों ने इन यात्री प्रतिक्षालयों में अपनी दुकाने लगाकर अतिक्रमण कर लिया है, इनके निर्माण का मकसद पूरा नहीं होने से ये यात्री प्रतीक्षालय शासन के धन की होली खेलने की मिसाल पेश कर रहे है।

खबर संक्षेप

दो अलग-अलग घटनाओं में वृद्ध एवं वृद्धा की मौत

अनूपपुर। अनूपपुर एवं अमलाई क्षेत्र में दो अलग-अलग घटनाओं में मोटरसाइकिल से टकराने पर वृद्धा एवं ट्रेन से टकराने पर वृद्ध की मौत हो गई घटना की सूचना पर पुलिस के द्वारा कार्यवाही की जा रही है। घटना के संबंध में बताया गया कि चचाई थाना अंतर्गत अमलाई नगर के मुख्य मार्ग में शनिवार की देर शाम बाजार से घर पैदल जा रही 58 वर्षीय सोनिया कोल पति अच्छेलाल कोल निवासी डोगरिया टोला पर सामने से आ रहे मोटरसाइकिल चालक ने ठोकर मार दी जिससे वृद्धा सोनिया कोल के शरीर में गंभीर चोट आने पर परिजनों द्वारा जिला चिकित्सालय अनूपपुर लाया गया लेकिन उसके पहुंचने की पूर्व मौत हो गई वहीं मोटरसाइकिल चालक नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे प्राथमिक उपचार बाद बेहतर उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज शहडोल रैफर किया गया है। दूसरी घटना अनूपपुर थाना अंतर्गत परसवार गांव में रविवार की दोपहर घर से मेन रोड की ओर आ रहे 85 वर्षीय दुलीचंद पटेल पिता रामप्रसाद पटेल निवासी ठकुरान टोला परसवार की अनूपपुर से अमलाई की ओर जा रही मेमो यात्री ट्रेन से टकराने पर शरीर के अनेकों हिस्सों में गंभीर चोट आने से स्थल पर ही मौत हो गई दोनों घटनाओं पर पुलिस के द्वारा कार्यवाही की गई।

रेत का अवैध परिवहन करते वाहन धराया

शहडोल। जिले की केशवाही चौकी अंतर्गत पुलिस ने रेत का अवैध खनन और परिवहन करते हुए एक बिना नंबर का महिंद्रा ट्रैक्टर जब्त किया है। ट्रैक्टर से कठना नदी से अवैध खनन कर रेत का परिवहन किया जा रहा था। पकरिया गांव में पुलिस ने अवैध रेत से भरे ट्रैक्टर को पकड़ा। मामले में पुलिस ने चालक और मालिक दोनों को आरोपी बनाया है। चौकी प्रभारी आशीष झारिया ने बताया कि जब्त ट्रैक्टर महिंद्रा कंपनी का है, जिसमें नंबर अंकित नहीं था। मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की गई। चालक पारस केवट पिता मिठाईलाल केवट उम्र 24 वर्ष और वाहन मालिक विष्णुकांत शुक्ला पिता शंकरदयाल शुक्ला पर खनिज अधिनियम और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। चालक ने बताया कि वह कठना नदी से अवैध रेत भरकर नगर में बिक्री के लिए जा रहा था। यह काम वाहन मालिक के कहने पर किया जा रहा था। कार्रवाई में चौकी प्रभारी आशीष झारिया के साथ प्रधान आरक्षक महेश पटेल, आरक्षक गणेश और नगर रक्षा समिति के मोहम्मद सैफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पुलिस ने दो गुमशुदा को किया दस्तयाब

कोतमा। पुलिस ने दो अलग-अलग मामले में गुमशुदा को सतना से दस्तयाब कर परिवारजनों को सुपुर्द किया है।

पहला मामला- 11 मई 2022 को सूचनाकर्ता फूल सिंह पिता मान सिंह गोड़ उम्र 36 वर्ष निवासी जमुनिहा थाना कोतमा ने थाने में शिकायत की थी कि मेरी पत्नी गणेशिया बाई पति फूल सिंह गोड उम्र 40 वर्ष निवासी जमुनिहा थाना कोतमा 05 मई 2022 को घर से ग्राम हरद मायका जाने का बोल कर निकली थी जो अपने मायके नही पहुँची पता तलाश करने पर पता नहीं चला। शिकायत पर पुलिस ने गुम इसांन कायम कर जांच में लिया था। जांच के दौरान गुमशुदा गणेशिया बाई पति फूल सिंह गोड उम्र 40 वर्ष निवासी जमुनिहा थाना कोतमा को बिड़ला कालोनी सतना से दस्तयाब कर उसे परिजनो को सुपुर्द किया गया है।

दूसरा मामला- 16 सितम्बर 2022 को फरियादिया राही बाई सिंह गोड़ पति संतोष सिंह गोड़ उम्र 39 वर्ष निवासी जमुनिहा थाना कोतमा के द्वारा शिकायत दर्ज कराई कि मेरा पति संतोष सिंह गोड़ 07 मई 2022 को 3 बजे घर में बिना बताये कही चला गया है जो वापस घर नही आया पता किया कहीं पता नही चला। शिकायत पर पुलिस ने गुम इंसान कायम कर जांच में लिया था। जांच के दौरान गुमशुदा संतोष सिंह गोंड़ पिता स्व. आनन्द सिंह गोंड़ उम्र 44 वर्ष निवासी जमुनिहा थाना कोतमा की जिसे बिड़ला कालोनी सतना में दस्तयाब कर उसके परिजनो को सुपुर्दगी में दिया गया है।

भुसंडा पंचायत के पोषक गांव लखनपुर का मामला

पाठशाला पहुंचने लंबी दूरी तय कर रहे नौनिहाल, बेपरवाह जिम्मेदार

तीन किमी दूर से पैदल आ रहें प्रायमरी स्कूल के बच्चें

डिंडौरी । मध्य प्रदेश सरकार सरकारी स्कूलों में निःशुल्क पाठ्य पुस्तक, स्कूल ड्रेस,मध्यांह भोजन, साइकिल वितरण,अलग अलग प्रकार के छात्रवृत्ति जैसे योजनाएं चलाकर दशा दिशा में सुधार के लिए लगातार प्रयास कर रहा हैं, वहीं इन सब सुविधाओं के बीच आज भी एक ऐसा गांव हैं जहां प्रायमरी स्कूल के बच्चों को बैठने के लिए भवन नहीं हैं परिणामस्वरुप नौनिहाल तीन किमी दूर पैदल चलकर शिक्षा ग्रहण करने मजबूर हैं,आइए आगे आपको इस गांव के स्कूल की कहानी विस्तार से पढ़ाते हैं ,यह गंभीर मामला हैं डिंडौरी जिले के करंजिया विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत भुसंडा के पोषक गांव लखनपुर का जहां प्रायमरी स्कूल के बच्चों के लिए वर्तमान में गांव के अंदर एक अदद सरकारी स्कूल भवन तक नहीं दरअसल यहां का जो भवन था वह पूरी तरह से खंडहर हो चुका हैं, अभिभावक जर्जर भवन में स्कूल संचालन में आपत्ति जताते हुए व्यवस्थित स्थान पर कक्षाएं संचालित करने की बात किए तो जिम्मेदार तत्काल व्यवस्था बनाने में नाकाम रहे इसी बीच शिक्षकों की सारी संवेदनाएं मर गई और उन्होंने हद तो तब कर दी जब स्कूल के शौचालय में बच्चों को बैठाकर पढ़ाया जाने लगा ग्रामीणों को जब इसकी जानकारी लगी तो उन्होंने स्कूल पहुंच हंगामा खड़ा कर दिया फिर आनन-फानन में व्यवस्था बनाते हुए गांव के एक कच्चे खपरैल वाले मकान को किराए पर लेकर कुछ माह तक यहां स्कूल लगाया गया लेकिन यहा भी अधिक दिनों तक कक्षाएं नहीं लगी क्योंकि मकान मालिक को किराया नहीं मिला तो उसने मना कर दिया फिर उसी जर्जर भवन के पास बच्चों को खुले आसमान के नीचे मैदान में बैठाकर पढ़ाया जाने लगा लेकिन यहां भी बराबर स्कूल का संचालन नहीं किया जा रहा था आखिर में यहां एक से पांच तक की कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों को विभागीय अधिकारी के आदेश पर पटवारी टोला के प्रायमरी स्कूल में भेजा गया तब से यह बच्चे अपने शिक्षा के लिए यहीं आ रहें हैं लेकिन यहां भी उतने बच्चों के हिसाब से पर्याप्त बैठक व्यवस्था नहीं है यघपि एक से पांच तक के समस्त विघार्थियों को एक ही कक्ष में बैठाकर शिक्षा अध्ययन कराया जा रहा हैं ऐसे में बच्चे क्या और कैसे सीख पाएंगे सोचनीय हैं बहरहाल लंबे समय से यहां भवन के संबंध में स्थानीय से लेकर जनपद में बैठे शिक्षाधिकारियों को लगातार सूचित किया गया तो उन्होंने समय रहते त्वरित व्यवस्था बनाने सार्थक कदम क्यूं नहीं उठाएं।और इस मामले का जवाबदार किसे कहा जाएगा बहरहाल ग्रामीणों की मांग हैं कि जिला प्रशासन इस मामले पर हस्तक्षेप कर ग्राम स्तर पर अविलंब व्यवस्था बनाने हेतु ठोस पहल करें।

नौनिहालों का दर्द

लखनपुर की कक्षा पांच की छात्रा ने गोरखपुर के संवाददाता से छुट्टी से घर जाते समय बातचीत में बताया कि आज सुबह जब वह लोग स्कूल आ रहें थें तो नुकीले गिट्टियों में पैर फिसल गया उसने पैर के अंगूठें और उसके बाद वाले उंगली में लगें चोट को दिखाते हुए बताया कि नुकीले गिट्टियों में पैर फिसल कर पंजा मुड़ गया था जिस कारण चमड़ी छिल गई और खून भी बह गया , जबकि चोट लगने के बाद से एड़ी से लेकर घुटने के पास तक की मांसपेशियों में काफी दर्द हैं अभी तक कोई मरहम पट्टी नहीं कराएं असहनीय पीड़ा के वजह से पैदल चलना दूभर हो रहा लेकिन क्या करें जब तक गांव में स्कूल भवन नहीं बनेगा हमें इसी प्रकार के कष्ट आते रहेंगे। इन्होंने बताया कि घर से स्कूल जाने के लिए सुबह 9 बजे निकल जाती हैं और छुट्टी के बाद घर वापस पहुंचने तक अंधेरा छाने लगता हैं,घर आते आते थक जाते हैं फिर भी स्कूल से मिला गृहकार्य और आगे की पढ़ाई कर सोते हैं, कभी तो पैदल चलते चलते पैरों में कांटे चुभ जातें हैं, कभी कंकर पत्थर से पैर चोटिल होकर लहुलुहान हो जाता हैं। सूत्रों की मानें तो रोजाना पैदल स्कूल आने जाने के दरमियान होने वाले परेशानियों के चलते इन बच्चों के मन में शिक्षा के प्रति से लगाव कम हो रहा हैं बताया जा रहा हैं कि यह कई कई दिनों तक स्कूल नहीं आतें बहरहाल अब यह देखना बड़ा दिलचस्प होगा कि शिक्षा विभाग नौनिहालों के घर से स्कूल तक तीन किमी पैदल यात्रा का निराकरण कैसे और कितनी जल्दी कर पाता हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षा व्यवस्था पर नहीं किसी का ध्यान

लंबे समय से इस अव्यवस्था का सामना करने वाले पालकों और स्थानीय ग्रामीणों के मन में जिम्मेदारों के प्रति रोष हैं , वें कहते हैं कि फिलहाल सरकारी स्कूल में सरकार ने तमाम संसाधन उपलब्ध करवाएं हैं, एक ओर शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए जगह जगह सीएम राइज स्कूल खोले जा रहे हैं , दूसरे ओर छोटे छोटे बच्चों को पढ़ने के लिए एक अदद सरकारी भवन भी नहीं ये कैसा मापदंड हैं, उन्होंने स्थानीय स्तर से लेकर जिले तक बैठे विभागीय अधिकारी कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा पर सवाल उठाते हुए कहा कि वर्तमान के परिवेश में ग्रामीणों क्षेत्रों में शिक्षा के क्षेत्र में जितनी दुर्दशा अभी देखने मिल रहा इससे पहले कभी नहीं देखा गया यह लोग हमारे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने में लगें हैं। हमारे बच्चों को भी पढ़ने दें यघपि जब पुराना भवन खंडहर हो रहा था, तभी चेत जाते तो शायद बच्चों को पैदल चलने का प्रताड़ना नहीं मिलता लेकिन इतनी गंभीरता से कोई चिंता नहीं करता यह उसी लापरवाही का परिणाम है ये सरासर शिक्षा विभाग की लापरवाही का नतीजा है जिसका खामियाजा हमारे बच्चें भुगत रहें हैं।

ग्रामीणों ने कहा कि अगर जल्द ही गांव के अंदर स्कूल का संचालन नहीं किया जाता तो वह दिन दूर नहीं जब यहां के बच्चों का मन स्कूल से उचाट होने लगें लिहाजा ऐसे खराब स्थिति बनने से पहले शासन प्रशासन गांव में ही सर्वसुविधायुक्त भवन बनवाकर स्कूल का संचालन करवाएं।

मानीटरिंग पर सवाल

स्थानीय नागरिक बताते हैं कि दूरस्थ और दुर्गम इलाकों में अफसरों के मैदानी परीक्षण व दौरे बेहद कम होते हैं, यहां तो वैसे भी इस स्कूल का सुध लेने आज तक कोई शिक्षा विभाग का अधिकारी नहीं आया ,बस अधिकारी सरकार से मिले निर्देशों का पालन करने हेतु अपने मातहतों को मुख्यालय में बैठे बैठे फरमान जारी करते रहते हैं उनके आदेश निर्देश का कितना पालन किया गया कैसे व्यवस्था बनाएं यह देखने कभी नहीं आते यह जो दृश्य आप देख रहें उसी लापरवाही कार्यप्रणाली का नतीजा हैं आज ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर जितना गिर चुका हैं शायद इसके पहले कभी ऐसा नहीं था नाम मात्र के लिए स्कूल खोल दिया गया जबकि बच्चों की पढ़ाई चैपट हैं, यघपि छोटे से लेकर बड़ा अधिकारी कर्मचारी दिलचस्पी लेकर ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते तो शायद ये हालात नहीं बनते ।मगर अफसोस ऐसा होगा नहीं बहरहाल उन मासूमों का क्या दोष जिन्हें पहले शिक्षा के नाम शिक्षकों ने पूर्व में शौचालय में बैठाकर पढ़ाया स्थानीय नागरिकों के हस्तक्षेप के बाद कच्चे मकान में कक्षा लगी और अब तीन किमी दूर पैदल चलने मजबूर नौनिहाल। वहीं कागजी रिपोर्ट में बेहतर का दावा करने वाले अधिकारियों को शायद ही इन बच्चों के दर्द का अहसास हो।

नहीं मिली फूटी कौड़ी

मकान मालिकें के जानकारी देते हुए बताया कि मेरे मकान में स्कूल लगाने के पूर्व शिक्षकों के साथ किराया तय किया गया था तदुपरांत शिक्षण सत्र 2023 में अगस्त से लेकर दिसंबर माह स्कूल का संचालन किया गया जिसका आज तक फूटी कौड़ी नहीं मिला, शिक्षक सहित अन्य जवाबदारों से मकान किराया देने का गुहार लगाए लेकिन सबने अनसुना कर दिया , ग्रामीण लल्लू यादव ने बताया कि स्कूल के अव्यवस्था के बारे में हमें पहली बार 15 अगस्त 2023 के दिन पता चला दरअसल कार्यक्रम में ग्रामीणों के सामने ही प्लास्टर का बड़ा टुकड़ा छत से गिरा। वहां मौजूद लोगों ने तत्काल जर्जर भवन को घूम घूम कर देखा तो पाया कि भवन काफी खंडहर हो चुका हैं ऐसे हालात में यहां स्कूल लगाना खतरे से खाली नहीं हैं ,फिर लोगों का विरोधाभास बढ़ा तब जाकर शिक्षकों से बात कर अन्य वैकल्पिक व्यवस्था बनाने कहा गया था। तभी से कच्चे मकान में कक्षाओं का संचालन किया गया था।

25 वर्ष पुराना हैं भवन

प्राप्त जानकारी के अनुसार भवन को 25 वर्ष पुराना बताया जा रहा हैं इसमें ग्रामीणों की आपत्ति पश्चात दो वर्ष से नियमित कक्षाएं नहीं लगें विघार्थियों को कभी कच्चे मकान में तो कभी खुले आसमान के नीचे बैठाया गया हद तो तब जब शिक्षकों ने इन नौनिहालों को शौचालय के अंदर बैठाकर पढ़ाया इतने यातनाओं के बाद भी छात्रों की परेशानी कम नहीं हुई अब उन्हें शिक्षा विभाग के अधिकारियों के आदेश पर 6 किसी पैदल चलने की सजा मिली यहां के 19 बच्चों को लखनपुर से तीन किमी दूर पटवारी टोला के प्रायमरी स्कूल में पड़ने भेजा जा रहा हैं,अब आप सहज अंदाजा लगा सकते हैं कि ऐसे प्रताड़ना वाले वातावरण में बच्चे कैसे शिक्षा ग्रहण करते होंगे। ग्रामीण कहते हैं कि यदि समय पर उस मकान मालिक को किराया दिया गया होता तो आज उनके बच्चों को इस प्रकार से परेशान नहीं होना पड़ता उन्होंने कहा कि जब किराया नहीं दिया गया तो फिर कंटीजेंसी की राशि कहां खर्च कर दिए बड़ा प्रश्न हैं।

जिले की बेटियां जम्मू कश्मीर, उत्तर प्रदेश, पंजाब में कर रही प्रदेश का प्रतिनिधित्व

68 वी स्कूल गेम्स फेडरेशन फुटबॉल, बॉलीवाल, हैण्ड वाल की राष्ट्रीय स्पर्धा में ले रहीं भाग

डिंडोरी । कलेक्टर हर्ष सिंह के निर्देशन एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग डॉ. संतोष शुक्ला के मार्गदर्शन में शालेय खेल कैलेंडर 24-25 के अनुसार जिले में शालेय खेलकूद की प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। 68 वीं शालेय राष्ट्रीय फुटबॉल की स्पर्धा जम्मू में जिले की खिलाड़ी छात्रा रेशमी ध्रुव पिता सुख सेन, रेखा परस्ते पिता सुनील वॉलीबाल की स्पर्धा वाराणसी उत्तरप्रदेश में 10 से 14 दिसम्वर 2024 तक, ममता मसराम पिता वीरेंद्र सिंह, सोनम परस्ते पिता दिलीप सिंह परस्ते, हैण्ड वाल की स्पर्धा लुधियाना पंजाब में 11 से 17 दिसंबर 2024 तक आयोजित की जा रही है। जिसमें राजेश्वरी पिता राजेंद्र सिंह सी एम राइज विद्यालय शहपुरा की छात्राएं मध्यप्रदेश के दल से प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए भाग लें रही है। जिला क्रीड़ा अधिकारी जनजातीय कार्य विभाग पी.एस. राजपूत ने बताया कि खिलाड़ी छात्रा ने विद्यालय, विकासखंड, जिला, संभाग, विभागीय राज्य एवं शालेय राज्य स्तर तक कुल सात स्तरों की प्रतियोगिताओं में भाग लिया था। जिसमें उनके खेल कौशल और दक्षता को देखते हुए विधा विशेषज्ञों ने चयनित किया है। 06 से 10 दिसंबर 2024 तक शाजापुर, ग्वालियर, मुरैना, में विशेष कोचिंग प्राप्त करने के बाद राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए रवाना हुए। हैंडबाल कोच श्रीमती रमा साहू, वॉलीबॉल कोच अनिल लोधी, फुटबॉल कोच जागेश्वर नंदा, दिलीप सोनवानी के कुशल प्रशिक्षण, कठिन मेहनत एवं मार्गदर्शन से विद्यालय ,जिला एवं विभाग को गौरवान्वित करते हुए मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान एवं जनकल्याण पर्व की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक आयोजित

वी.सी. के माध्यम से जुड़े जिले के स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी

डिंडोरी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने समत्व भवन से वी.सी. के माध्यम से प्रदेश में 11 दिसंबर से प्रारंभ होने जा रहे श्जन कल्याण पर्वश की तैयारियों की समीक्षा की। उक्त वीडियो कांफ्रेंस में डिंडौरी जिले से शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते, जनपद पंचायत अध्यक्ष डिंडोरी आशा सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष करंजिया चरण सिंह धुर्वे, नरेंद्र राजपूत, पुनीत जैन, कलेक्टर हर्ष सिंह, पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह, वनमण्डलाधिकारी पुनीत सोनकर, सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।जन कल्याण पर्व के तहत मध्यप्रदेश सरकार द्वारा महिला, किसान, युवा और गरीब कल्याण सहित विकास से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनकल्याण पर्व की तैयारियों के संबंध में बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान का मुख्य उद्देश्य केन्द्र एवं राज्य सरकार के महाआधारभूत स्तम्भ युवा, नारी, किसान तथा गरीब के कल्याण एवं विकास के लिए दृढ संकल्पित होकर प्रयास किया जाना है। अभियान में 26 जनवरी 2025 तक भारत सरकार एवं राज्य सरकार की चिन्हित हितग्राहियों का शिविरों एवं संपर्क दलों के माध्यम से हितग्राही मूलक योजनाओं के शत-प्रतिशत सैचुरेशन कर हितलाभ प्रदान करने हेतु वंचित पात्र हितग्राहियों का घर-घर सर्वे कर चिन्हांकन करना है। अभियान अन्तर्गत ही राजस्व महाभियान 3.0 का क्रियान्वयन 26 जनवरी 2025 तक किया जायेगा एवं सम्पर्क दलों के माध्यम से धरती आबा योजनांतर्गत गैप चिन्हांकन का कार्य भी किया जायेगा। शिविर स्थलो का चिन्हांकन कलेक्टर द्वारा रोस्टर के माध्यम से नोडल अधिकारी, नगरीय क्षेत्र में सेक्टर अधिकारी एवं ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक पंचायत क्लस्टर से किया जाएगा। शिविर के पूर्व हितग्राही से संपर्क कर समस्त संभावित पात्र हितग्राहियों को सूचीबद्ध आवेदन प्राप्त कर शिविर प्रभारी को उपलब्ध कराये जायेंगे। योजनाओं की जानकारी शिविर से संबंधी जानकारी एवं आवेदन की अद्यतन स्थिति बडीमसचसपदम.उच.हवअ.पद पर उपलब्ध होंगी। अभियान में 34 योजनाओं, 11 लक्ष्यो एवं 63 सेवाओं को लक्षित किया गया है।

जनकल्याण पर्व

जनकल्याण पर्व का शुभारम्भ गीता जयंती के अवसर पर भपाल में राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से किया जाएगा। जनकल्याण पर्व के विभिन्न प्रस्तावित कार्यक्रम, विभिन्न विभागो की उपलब्धियों को परिलक्षित करते हुए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में प्रत्येक दिनवार शेड्यूल के अनुसार जिला मुख्यालयों पर सम्पन्न होंगे। अभियान के सम्बन्ध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न कैबिनेट मंत्री एवं जनप्रतिनिधीयों से चर्चा की। मुख्यमंत्री द्वारा निर्देशित किया कि सभी जिला कलेक्टर्स शिविर क्षेत्रो का आँकलन कर एक तय शेड्यूल निर्धारित करें, शिविरों का आयोजन कर जनप्रतिनिधियों की भागीदारी मे प्रत्येक हितग्राही तक लाभ पहुंचाया जाना सुनिश्चित करें, यह अभियान विभागों की जागरूकता एवं संचेतना के रूप में उभर कर आये और "आपकी सरकार आपके द्वार" की अवधारणा को चरितार्थ करें जिससे मैदानी स्तर पर योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा सके।

मां नर्मदा नदी के घाट की सफाई

डिंडोरी -प्रत्येक रविवार ष्मैया अभियान ष्स्वच्छता सेवा ष्के तहत नर्मदा घाटों की सफाई की जाती है।ष्मैय्या अभियान स्वछता सेवा कार्यक्रम 11 दिसंबर 2022 को प्रारंभ किया गया था एवं दो वर्षों से सतत जारी है। इसी क्रम में रविवार प्रातः 7रू30 से नर्मदा पुल के समीप शंकर घाट एवं अम्बेडकर घाट की सफाई की गई। दोनों घाटों पर फैले प्लास्टिक पन्नियों ,कांच की बोतल एवं कचरे को उठाया गया इस दौरान उपस्थित जनों को नर्मदा जल एवं घाटो की स्वच्छता का संदेश दिया गया । मैया अभियान के सदस्यों ने नगर वासियों एवं विद्यार्थियों से अपील की है, कि इस स्वच्छता सेवा में अपनी सहभागिता जरूर करें। इस स्वच्छता सेवा मैया अभियान में आर पी कुशवाहा नेहरू युवा केंद्र , डॉ संतोष परस्ते जिला आयुष अधिकारी, शिक्षक जितेंद्र दीक्षित उत्कृष्ट विद्यालय , वरिष्ठ शिक्षक शाहिद खान , सुरेंद्र बिहारी शुक्ला नगर परिषद, भागवत यादव रक्त देव दूत परिवार, प्राचार्य राम विशाल मिथलेश , गणेश गवले क्षेत्र पशु चिकित्सा अधिकारी , शिक्षक ब्रजभान पाटले ,राजेश राय, त्रिशूल , यथार्त यादव , अबध गोहिया , विजय रजक ,महेंद्र उचेहरा ने श्रम दान किया।

किसानों के खलिहान में रखी धान खरही में आग लगने से धान जलकर हुआ खाक

डिंडोरी अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत उमरिया के ग्राम गजरा निवासी कृषक प्रमोद सिंह व्याम, राम दयाल यादव एवं गंगा राम यादव के खलिहान में रखी धान की खरही में अज्ञात कारणों से अचानक आग लगने से धान की खरही जल राख हो गई। जानकारी में बताया गया कि अग्निशामक वाहन को फोन लगाया गया। परंतु अग्निशामक वाहन के मौके पर पहुंचते तक खलिहान में रखी धान की खरही जल कर राख हो गई। जिसकी लिखित सूचना किसानों ने सिटी कोतवाली थाना में दी गई। किसानों के धान की फसल में अचानक आग लगने से धान जल राख हो गया। जिससे किसानों की मेहनत की गाढ़ी कमाई जल कर राख हो गया। किसानों पर दुःख का पहाड़ टूट गया हैं। जिससे किसान काफी परेशान हैं। शासन प्रशासन से उम्मीद हैं कि मामले की जांच कर उचित कार्यवाही करते हुए किसानों को सहायता राशि प्रदान करना उचित होगा।

डुण्डीसरई ने मझगांव को पराजित कर जीता फाइनल मुकाबला

डिंडोरी अमरपुर। विगत दिवस मझगांव जोन में राजा हृदय शाह फुटबॉल लीग का फाइनल मुकाबले में डुण्डीसरई टीम ने मझगांव टीम को 5-2 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। यह फाइनल मुकाबला मैच बेहद रोमांचक रहा। मैदान में दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी, जिनकी उत्सुकता और जोश ने माहौल को और भी शानदार बना दिया। खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन किया। दोनों टीमों के बीच खेल भावना की मिसाल देखने को मिली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसके अलावा बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कारों से भी नवाजा गया। इस शानदार आयोजन ने मझगांव जोन में खेल के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। यह न केवल खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना बल्कि स्थानीय युवाओं को खेल से जुड़ने के लिए भी प्रेरित किया।

छात्राओं ने नदी जल संरक्षण पद्धति को सीख कर बनाए असाइनमेंट

अमरपुर। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद अमरपुर द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत कोर्स में असाइनमेंट के चलते ग्राम पंचायत रामगढ़ के बिजौरी माल बरसिंघा रोड़ खरमेर नदी डेम में चल रहे जल संरक्षण कार्यक्रम के दौरान बोरियों में मिट्टी भरकर गेट बंद कर जल संरक्षण के कार्य में डैं के छात्राओं द्वारा जन सहभागिता की गई और जल को सहेजने की पद्धति को सीखा गया और आसानी से असाइनमेंट तैयार किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित ग्राम वासियों के साथ जल के महत्व को लेकर संवाद किया गया। जिसमें जल की उपयोगिता और उसके महत्व को बताया गया। तत्पश्चात हम होंगे कामयाब पखवाड़ा के अंतर्गत बाल विवाह शपथ दिलाई गई। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ब्लॉक समन्वयक अमर लाल धुर्वे, बउबसकच मैटर लाल सिंह ठाकुर, डू छात्रा दुर्गावती मानिकपुरी, रेखा धुर्वे, संगीता मरावी प्रस्फुटन समिति से राम सिंह पट्टा, शान्ति बाई यादव सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे। इस पूरे कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के स्टाफ द्वारा पूरा सहयोग किया गया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, सोमवार 9 दिसंबर 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जन कल्याण पर्व को लेकर बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर । प्रदेश सहित जिलों में भी 11 दिसंबर से 26 दिसम्बर 2024 तक जन कल्याण पर्व मनाया जायेगा। इसके अंतर्गत राज्य शासन द्वारा महिला, किसान, युवा और गरीब कल्याण सहित विकास से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ष्जन कल्याण पर्वष् की तैयारियों के संबंध में निवास स्थित समत्व भवन में वीसी के माध्यम से रविवार को समीक्षा बैठक ली। उन्होंने तैयारियों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर कलेक्टर कार्यालय नरसिंहपुर के एनआईसी कक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल व महेन्द्र नागेश, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक मृगाखी डेका, सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

जहरीली वस्तु के सेवन से नव विवाहिता की मौत

नरसिंहपुर। गत दिवस अज्ञात कारणों से महिला द्वारा जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नवविवाहिता आरती पति बालकिशन कुर्मी उम्र 29 वर्ष निवासी बसेड़ी थाना करेली द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर परीक्षण के दौरान डाक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर तहसीलदार के उपस्थिति मे मर्ग प्रकरण तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

नही रहे झाम सिंह नायक

नरसिंहपुर। गत दिवस नगर निवासी झाम सिंह नायक का निधन हो गया। स्व. श्री नायक पेंटिग की कला में माहिर थे। लोग पेंटर बाबू के नाम से जानते थे। अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया जहां पर समाज के सभी वर्गो द्वारा श्रद्धांजलि दी गई।

साहू समाज महिला मंडल की बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर। गत दिवस मप्र, तेलिक साहू समाज महिला मंडल द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में श्रीमती आभा साहू महिला प्रदेश अध्यक्ष मप्र, तैलिक साहू समाज व जिला अध्यक्ष श्रीमती सुमन सुधीर साहू की उपस्थिति रही। बैठक के पूर्व मां कर्मा देवी का पूजन किया गया। बैठक के दौरान 22 दिसम्बर को भोपाल में समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन सहित समाज के विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में सुमन नरेंद्र साहू, डॉक्टर सरोज साहू, पुष्पा साहू सरोज मनोहर साहू संध्या साहू अंजू साहू उमा साहू शिखा ममता नीतू भावना नीलू प्रीति रेखा सविता उषा अंजलि सुरुचि, सिया रानी की उपस्थित रही।

ध्वज चढ़ाने श्रद्धालुओं का जत्था छींद रवाना

तेंदूखेड़ा प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी समीपी ग्राम मदनपुर के श्री दादा हनुमान भक्तों द्वारा रायसेन जिले के प्रसिद्ध स्थान छींद धाम के लिए ग्यारह वर्ष से चल रही श्रंखला के क्रम में रविवार को पैदल जत्था रवाना हुआ। जो कि मंगलवार को हनुमान जी की पूजा-अर्चना के साथ ध्वज चढ़ायेंगे । श्रद्धालुओं द्वारा पूजन कर यात्रा की शुरूआत की। मदनपुर क्षेत्र के लोगों ने भी श्रद्धालुओं का हौसला बढ़ाते हुए यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। इस पैदल यात्रा में प्रमुख रुप से नितिन खरे पं. देवेंद्र चौबे राकेश अग्रवाल अंचल खरे उदयराम ठाकुर शिवम नामदेव दशरथ जोगी दीपक मेहरा सहित बड़ी संख्या में युवा शामिल हैं।

कलेक्टर व जनप्रतिनिधियों ने पिलाई पोलियो दवा

जिले के 1 लाख 70 हजार बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो खुराक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

रविवार को शासन के निर्देशानुसार जिले के सभी आगनबड़ी व स्वास्थ्य केन्द्रों मे 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को पोलियो खुराक पिलाई गई। जिला प्रशासन द्वारा सम्पूर्ण जिले 1 लाख 70 हजार बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाने का लक्ष्य रखा गया तथा जिला प्रशासन की 1335 टीम पोलिया अभियान मे कार्य कर रही है। रविवार को केन्द्रों पर पोलिया दवा पिलाई गई एवं आज घर घर जाकर पोलियो की खुराक पिलाई जायेगी। प्रशासन द्वारा लक्ष्य रखा गया है कि दूर दराज निवास करने वाले तथा बाहर से आये हुये सभी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जावे कोई भी बच्चा पोलियो खुराक से ना चूके।

विधायक ने पिलाई दवा

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के शुभारंभ अवसर पर विधायक तेंदूखेड़ा विश्वनाथ सिंह पटेल ने ग्राम रीछा के शासकीय प्राथमिक शाला में जन्म से लेकर 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई। विधायक गोटेगांव महेन्द्र नागेश ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोटेगांव में 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत जिले में 8 से 10 दिसम्बर 2024 तक जन्म से लेकर 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जायेगी। इस अवसर पर सीबीएमओ डॉ. राजकिशोर पटैल, सीएचओ डॉ. अर्चना जैन, बीपीएम विनोद प्रजापति, बीईई एचएस ठाकुर, बीसीएम हेमंत सोनी, आशा कार्यकर्ता श्रीमती सरस्वती मेहरा एवं ग्रामीण जन मौजूद थे।

कलेक्टर ने पिलाई दो बूंद जिंदगी की

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ जिले में विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल व महेन्द्र नागेश, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर में जन्म से लेकर 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर किया। इस दौरान पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, डॉ. अनंत दुबे, सुनील कोठारी, श्रीमती बबीता जाट ने भी बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई। सिविल अस्पताल गाडरवारा में नगर पालिका अध्यक्ष शिवकांत मिश्रा, रोटरी क्लब, रोगी कल्याण समिति की सदस्य श्रीमती बसंती पालीवाल ने बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर शुभारंभ किया।

1335 टीमें कर रही कार्य

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत जिले में 8 से 10 दिसंबर 2024 तक जन्म से लेकर 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जायेगी। शासन द्वारा एक लाख 70 हजार 329 बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य दिया गया है। अभियान के अंतर्गत जिले में कुल 1335 टीमें गठित की गई हैं। इनमें 2670 सदस्य, 43 मोबाइल टीम व 51 ट्रांजिट टीम बनाई गई है। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत पहले दिन 8 दिसम्बर को बूथ पर और 9 एवं 10 दिसम्बर को घर- घर जाकर बच्चों को पोलियो की दवाई पिलाई जायेगी। एक भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे, इसके लिए मोबाइल दल घुम्मकड़ आबादी तथा बंजारा बस्ती, ईट भट्टा, सुगर मिल, गुड़ भट्टी, निर्माणधीन, मजदूर परिवार आदि सुदूर स्थलों में जाकर बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जा रही है।

शुभारंभ अवसर पर सीएमएचओ डॉ. एपी सिंह, सिविल सर्जन डॉ. जीसी चौरसिया, डीएचओ 1 डॉ. एआर मरावी, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुनील पटेल, एसएनसीयू प्रभारी डॉ. संदीप पटेल, डॉ. देवेन्द्र रिपुदमन एवं स्वास्थ्य के सभी अधिकारी- कर्मचारी एवं पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद था।

गीता जयंती पर हुईं प्रतियोगितायें

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं श्री गीता निकुन्ज आध्यात्मिक संस्थान नरसिंहपुर के तत्वावधान में रविवार को गीता जयंती के उपलक्ष्य में जिले में संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की कक्षाओं में लिखित एवं मौखिक प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। गीता जयंती पर रातीकरार खुर्द आश्रम नर्मदा तट के स्वामी आत्मदृष्टा नंद के मुख्य आतिथ्य, मप्र जन अभियान परिषद जयनारायण शर्मा की अध्यक्षता एवं शिक्षक शशिकांत मिश्रा के मुख्य वक्ता तथा शारदा आश्रम के संत स्वामी निरंजन महाराज के विशिष्ट अतिथि में उत्कृष्ट विद्यालय करेली में कार्यक्रम आयोजित किया गया। गीता जी पर आधारित प्रतियोगिता में रूद्रप्रताप चैधरी प्रथम, रोहित कुमार कौरव द्वितीय एवं अशोक कुमार राजपूत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन प्रतिभागियों को श्रीमद्भागवत गीता एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में पाठ्यक्रम के परामर्शदाता दुर्गेश गुमास्ता, श्रीमती वंदना झारिया एवं श्रीमती यज्ञवती पटेल रहीं। कार्यक्रम में अतिथियों ने श्रीमद्भागवत गीता पर अपने- अपने विचार रखें। उन्होंने बताया कि गीता जी जीवन प्रबंधन, समय प्रबंधन, व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में रहते हुए आध्यात्मिक ज्ञान को कैसे प्राप्त किया जा सकता है। ये सभी विषय गीता में बताये गये हैं। गीता के श्लोकों के शुद्ध वाचन व उच्चारण भी बताये गये। कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता राजेश सराठे व आभार कमलेश कौरव ने व्यक्त किया।

सीमेंट कंपनी ने इंजीनियरों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस जिले मे निर्माण कार्यों में सहभागिता करने वाले इंजीनियरों को माईसेम सीमेंट कंपनी द्वारा इंजीनियर एवं आर्किटेक्ट को दमोह स्थित प्लांट भौतिक रूप से भ्रमण कराया गया। जिसमें सीमेंट कंपनी सभी भारतीय मानक के साथ जर्मन ग्रुप की गाइडलाइन को ध्यान में रखकर उच्च गुणवत्ता के साथ सीमेंट बना रही है हेइडेलबर्ग सीमेंट कंपनी भारत के साथ विश्व के 50 से अधिक देशो में 3000 से अधिक स्थानों पर 150 वर्षों के अनुभव के साथ जर्मन तकनीकी के साथ निरंतर सीमेंट का उत्पादन कर अग्रसर हो रही है हेइडेलबर्ग सीमेंट ने अपना एक और नया प्रोडक्ट माईसेम पॉवर शील्ड सीमेंट लॉन्च किया जो की एक विशेष तकनीकी के साथ बना हुआ है इस सीमेंट बैग की जाँच करके उपस्थित सभी इंजीनियर ने देखा और सुनिश्चित किया की यह पूर्णतः लेमिनेशन पैकिंग में आता है जिससे सीमेंट लम्बे समय तक ताजा बना रहता है और यह सीमेंट कंक्रीट में पानी के प्रवेश को रोकता है तथा कंक्रीट को संघन बनाकर कंक्रीट की मजबूती बढ़ाता है जिससे मकान कई वर्षो तक सुरक्षित रह सकता है। माईसेम सीमेंट का प्लांट सम्पूर्ण रूप से घूमने के बाद सभी इंजौनियर एवं आर्किटेक्ट ने बताया की सम्पूर्ण प्लांट को बहुत साफ और स्वच्छता के साथ से चलाया जा रहा है और माईसेम सीमेंट कंपनी का विशेष उद्देश्य है आसपास के सभी जिले के लोगो को जर्मन तकनीकी के द्वारा बनाया गया उच्चगुणवत्ता का सीमेंट ताजा उपलब्ध कराया जाये ताकि भविष्य में तापमान की वृद्धि को देखते हुए उनके द्वारा निर्मित कार्य में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उक्त अवसर पर प्लांट हेड सुरेश दुबे, उमेश कुमार वर्मा और एच.आर. हेड विकास कुमार, एडमिन इंचार्ज मंजुनाथ स्वामी, अनिल शर्मा, म्र.प्र.के सेल्स हेड अरुण गुप्ता, म्र.प्र.के कस्टमर सर्विस इंचार्ज इंजी. सर्वेश श्रीवास्तव के द्वारा सम्मानित किया गया तथा जिले के कस्टमर सर्विस इंचार्ज इंजी. मुकेश भुसारे, सेल्स इंचार्ज अर्पित असाटी, ऑफिसर अरुण पटेल, दीपेश प्रजापति, अंकुश ठाकरे, इंजी. यश राज कसाना, दीपक खर्या, इंजी. आशीष पटेल, सजल साहू, इंजी. राहुल सिंह तोमर, इंजी. प्रहलाद प्रजापति, इंजी. सूर्य प्रकाश साहू, इंजी. कृष्णकांत साहू, इंजी. राज मेहरा, इंजी. अंकित नामदेव, इंजी. विक्रम पटेल, इंजी. आशीष विश्वकर्मा, इंजी. जतिन अग्रवाल, इंजी. मयंक सोनी, इंजी. विवेक सोनी उपस्थित थे।

9 से 12वीं तक की अर्धवार्षिक परीक्षाएं आज से होगी प्रारंभ

तेंदूखेड़ा

' माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के निर्देशानुसार कक्षा 9वीं से 12वीं तक की अर्धवार्षिक परीक्षाएं आज से प्रारंभ हो रही हैं। यह परीक्षाएं 9 से 18 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी। हमारे प्रतिनिधि को मिली के अनुसार कक्षा 9वी व दसवीं की परीक्षा सुबह 9 बजे से 12 बजे तक और कक्षा ग्यारहवीं 12वीं की परीक्षाएं दोपहर 1:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक होगी। परीक्षाओं में नवंबर माह तक के पाठ्यक्रम के अनुसार ही प्रश्न पूछें जाएंगे। शासन के निर्देश अनुसार इस बार सभी परीक्षाएं बोर्ड पैटर्न पर ही आयोजित कराई जाएगी। परीक्षा कक्षा में विद्यार्थियों को परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पूर्व उपस्थिति देना अनिवार्य होगा। इस दौरान 10 मिनट पहले उत्तर पुस्तिकाएं और 5 मिनट पहले प्रश्न पत्र दिया जाएगा। सभी शासकीय स्कूलों को प्रश्न पत्र ब्लॉक स्तर से आवंटित कर दिए गए हैं।

फरवरी माह में होगी वार्षिक परीक्षाएं- स्कूल शिक्षा विभाग ने इस बार तय किया है कि हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी की प्री बोर्ड परीक्षाएं 16 जनवरी से शुरू होकर 24 जनवरी तक चलेगी इसके बाद फरवरी अंत में बोर्ड की वार्षिक परीक्षा शुरू हो जाएगी जो की अंतिम सप्ताह तक चलेगी। प्री बोर्ड के आधार पर छात्रों के द्वारा अर्जित प्राप्तांको के आधार पर ही उनकी तैयारी कराई जायेगी। फिर भी अभी सभी शिक्षक विद्यालय में समय पर आने के साथ साथ अध्यापन कार्य में जुटे हुए हैं एवं छात्रों को नियमित रूप से स्कूल आने और नियमित अध्ययन हेतु प्रेरित किया जा रहा है।गत वर्ष जिन विद्यालयों के परीक्षा परिणाम अपेक्षाकृत नहीं आये थे उनके द्वारा भी अच्छी मेहनत कराई जा रही हैं।

स्कूली बच्चों को पुलिस ने किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

विगत दिवस साइबर अपराधों एवं नाबालिक बच्चियों के गुम एवं अपहरण होने की घटनाओं को कम करने हेतु पुलिस अधीक्षक, श्रीमती मृगाखी डेका द्वारा किए जा रहे लगातार प्रयास, जागरूकता अभियान चलाया जाकर स्कूली बच्चों एवं छात्राओं को साइबर अपराध एवं महिला संबंधी अपराधों से बचाव हेतु जागरूक किया गया। जिला में चलाये जा रहे जागरूकता अभियान के तहत जिले के सभी थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस टीमों द्वारा स्कूलों का लगातार भ्रमण कर स्कूली बच्चों एवं छात्राओं से जनसंवाद स्थापित कर छात्राओं को गुड टच.बेड टच के संबंध में बताते हुये सतर्कता व अपराध के प्रति विरोध के लिए जागरूकता के संबंध में समझाया जा रहा है। अभियान के तहत स्कूली बच्चों को साईबर फ्राड एवं अपराधों के संबंध जानकारी दी जा रही है एवं उनसे बचाव के उपाय बताए जा रहे है। साइबर अपराध के प्रति सजग और जानकार बनें, और साइबर अपराध से सुरक्षित रहें।

पर्याप्त वोल्टेज ना मिलने से किसानों की फसल सूखी, समस्या का समाधान ना होने पर किसान करेंगे आमरण अनशन

गोटेगांव तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिवनी बंधा सहित अनेक गांवों के नागरिक विद्युत समस्या से परेशान,वैसे तो शासन किसानों का हितैषी बनना के लिए उनकी सहूलियत के लिए अनेक प्रकार की योजना चलाती हैं और उन योजनाओं का जमकर प्रचार प्रसार किया जाता है,लेकिन यह योजनाएं कागजो तक ही सीमित होती नजर आ रही है,इस समय किसान परेशानी से जूझ रहे हैं पहले किसानों को खाद की लाइन में लगना पड़ता है,उसके बाद जब खाद मिल भी जाता है,तो फसल को खेत में बोने के बाद फसल की सिंचाई के लिए,पर्याप्त पानी नहीं मिलता,पूरा मामला ग्राम पंचायत सिवनी बांदा में स्थित विद्युत सब स्टेशन का है जहां कम वोल्टेज की समस्या से किसान जूझ रहे हैं,

इससे किसानों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है,पर्याप्त वोल्टेज ना होने से किसानों की पानी की मोटर ठीक से पानी खींच नहीं पा रही है, वहीं वोल्टेज कम होने के कारण कई किसानों की मोटर भी खराब हो चुकी हैं,किसानों ने बताया कि हमारे खेतों में खड़ी हुई फसल को पानी ना मिलने से सूख रही हैं, हम अन्नदाता परेशान हैं मगर प्रशासन हमारी मांगों पर कोई ध्यान नहीं देता जिससे आज हम सभी किसानों को इकट्ठा होकर सब स्टेशन आना पड़ा है और इकट्ठा होकर प्रदर्शन करना पड़ा रहा है,मांग पूरी ना होने पर किसान करेंगे आमरण अनशनकिसानों ने मांग की हमारे इधर जो सब स्टेशन है उसमें अभी 3 केवी का सब स्टेशन रखा है इससे आसपास के गांवों में पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं हो पा रही है, इसलिए सभी किसान मांग करते हैं कि इस सब स्टेशन को बढ़ाकर 8 केवी का सब स्टेशन रखा जाए जिससे किसानों की कम वोल्टेज की समस्या का निदान हो सके,वही किसानों ने कहा अगर हमारी समस्या का समाधान 5 से 6 दिनों में नहीं किया गया तो हम करीब 30 गांवों के सभी किसान परिवार सहित विद्युत सब स्टेशन पर आमरण अनशन के लिए बैठेंगे और जिसका जिम्मेदार स्वयं प्रशासन होगा। उक्त किसानो की समस्याओं पर प्रशासन में बैठे अधिकारी उचित ध्यान दें।

सिद्धघाट करेली में भागवत कथा का संकीर्तन जारी

गोटेगांव। नगर के समीपी ग्राम करेली कला के सिद्ध घाट मां नर्मदा तट पर विगत 2 दिसंबर से 10 दिसंबर तक श्रीराम कथा और अखंड सीताराम कीर्तन यज्ञ हवन एवं कल कल निनादिनी मैया नर्मदा जी की महाआरती का आयोजन निरंतर जारी है।यह पावन कथा श्री रामकिंकर महाराज के प्रिय शिष्य मानस मर्मज्ञ पंडित रामसिया गौतम के द्वारा की जा रही है।इस का पुण्य लाभ लेने के लिए विगत दिवस मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन के सचिव सरदार सिंह पटेल का भी कथा स्थल।पर आगमन हुआ जहां पर उन्होंने श्रीराम कथा का श्रवण किया एवं मां नर्मदा के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण किया,इस अवसर पर सरपंच संघ अध्यक्ष देवदत्त पचौरी,उपाध्यक्ष सरपंच संघ श्रीमती प्रियंका खेमरिया सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।